

ये सागर है



परिकल्पना

प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी

कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय वि. वि. सागर

संपादक

सुरेश आचार्य

लक्ष्मी पाण्डेय



गौर दिवस 26-11-2019

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© डॉ. हरीसिंह गौर के.वि.वि. सागर (म.प्र.)

प्रथम संस्करण : 2019

द्वितीय संस्करण : 2021

ISBN 978-93-89341-04-1

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032

e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com

फोन : 011-22825424, 7291920186, 09350809192

[www : anuugyabooks.com](http://www.anuugyabooks.com)

मूल्य : 850 रुपये

आवरण

गोविन्द सरवैया

मुद्रक

मणिपाल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, मणिपाल

YE SAGAR HAI

Collection of Essays & Memoirs of Sagar

edited by Dr. Suresh Acharya & Dr. Laxmi Pandey

अनुक्र

प्रस्तावन
मेरी ओर

1. मेरा त
2. झील
3. भारत
4. इतिहा

- ☐ स
- ☐ स
- ☐ छ
- ☐ छ
- ☐ वि
- ☐ ज
- ☐ सू
- ☐ जै
- ☐ रह
- ☐ ग
- ☐ पी

- ☐ क
- ☐ राह
- ☐ ऐति
- ☐ देव
- को